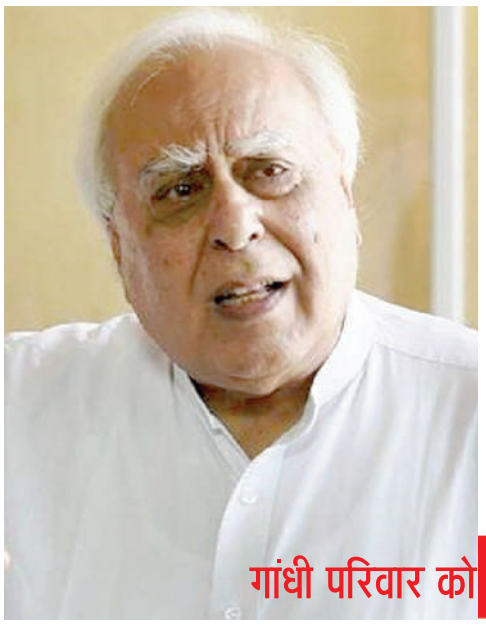

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 44 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 16 मार्च, 2022

मूल्य ₹ 3/-

किसी बच्चे की शिक्षा अपने ज्ञान तक सीमित मत रखिये, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।

-रविन्द्रनाथ टैगोर

गांधी परिवार को छोड़ देनी चाहिए... 8 | हार से नहीं घटा केशव का कद... 3 | अमेटी : जमीनी विवाद में पूर्व प्रधान... 7

लखीमपुर कांड के आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत पर यूपी सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

» आशीष की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

» पीड़ित परिवारों की ओर से दायर की गई थी याचिका अगली सुनवाई 24 मार्च को

» अदालत ने सरकार को दिए गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के आदेश

» केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष पर है किसानों को कार से कुचलने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी कांड के आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट में गवाहों पर हुए हमले को लेकर भी सुनवाई हुई। इस पर चीफ जस्टिस एन वी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा है कि राज्य सरकार सभी गवाहों को सुरक्षा दे। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी।

पिछले वर्ष तीन अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ायी गई थी। आरोप है कि जिस कार से किसानों को कुचला गया, उसे आशीष मिश्रा चला रहा था। इसमें चार किसानों की मौत हो गयी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट में उठा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी थी। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस वर्ष 10 फरवरी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आशीष को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। इस पर मारे गए किसानों के परिवारों ने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे और वकील प्रशांत भूषण के जरिए आरोपी की जमानत रद्द करने की मांग सुप्रीम कोर्ट में रखी। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट ने जमानत देते समय अपराध की गंभीरता पर ध्यान नहीं दिया। राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ अपील करनी चाहिए थी पर उसने भी ऐसा नहीं किया।

एसआईटी ने दाखिल की थी चार्जशीट

तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया गांव में हुई हिंसा मामले में एसआईटी ने तीन महीने के अंदर सीजेएम अदालत में तीन जनवरी को 5000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाते हुए 13 आरोपियों को मुल्जिम बताया था। इन सभी के खिलाफ सोची समझी साजिश के तहत हत्या, हत्या का प्रयास, अंग-भंग की धाराओं समेत आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।

वन रैंक, वन पेंशन मामले में केंद्र को राहत

नई दिल्ली। वन रैंक, वन पेंशन (ओआरओपी) मामले में केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रखा है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि उसे ओआरओपी के सिद्धांतों और 7 नवंबर 2015 को जारी अधिसूचना में कोई संवैधानिक दोष नहीं लगता है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले में फैसला सुनाया है। इस पीठ में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ भी शामिल थे। बता दें कि भारतीय पूर्व सैनिक आंदोलन (इंडियन एक्स सर्विसमैन मूवमेंट) की ओर से ओआरओपी नीति के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया है कि ओआरओपी का क्रियान्वयन दोषपूर्ण है। बीते महीने याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शीर्ष अदालत पहुंचा हिजाब विवाद

नई दिल्ली। कर्नाटक का हिजाब विवाद अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। हिजाब विवाद पर सुप्रीम कोर्ट होली के बाद सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े द्वारा तत्काल सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष हिजाब प्रतिबंध मामले का उल्लेख किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह होली की छुट्टियों के बाद सुनवाई से जुड़ी याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर विचार करेगा। गौरतलब है कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने स्कूल-कॉलेज में हिजाब पर रोक के कर्नाटक सरकार के आदेश को सही ठहराया था और हिजाब पर रोक को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी थीं। हालांकि, अब हिजाब मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।

पंजाब में 'आप' का राज, भगवंत मान ने ली सीएम पद की शपथ

» आप के संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की प्रचंड जीत के बाद भगवंत मान ने आज नवांशहर के खटकड़ कलां में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने उन्हें शपथ दिलायी। मान ने पंजाबी में शपथ ली। समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। समारोह में आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे।

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने भगवंत मान को बधाई दी। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी अपने सभी वायदे पूरे करेगी। गौरतलब है कि पंजाब विधान सभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 92 सीटों पर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। कांग्रेस को 18, अकाली दल को 3 और भाजपा को 2 सीटों पर जीत मिली। आप ने मान को सीएम चेहरा प्रोजेक्ट कर चुनाव लड़ा था।

सोशल मीडिया के जरिए लोकतंत्र को हैक करने का बढ़ा खतरा : सोनिया गांधी

» लोक सभा में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष व सांसद ने सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सत्ता की मिलीभगत से समाज में फैला रहा नफरत

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष व सांसद सोनिया गांधी ने आज लोक सभा में सोशल मीडिया पर सत्ता से मिलीभगत के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि फेसबुक सत्ता की मिलीभगत से सामाजिक सौहार्द भंग कर रहा है। यह हमारे लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। फेसबुक और ट्विटर जैसी दिग्गज वैश्विक कंपनियों का इस्तेमाल नेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा पॉलिटिकल नरेटिव गढ़ने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह बार-बार देखने में आया है कि वैश्विक सोशल मीडिया कंपनियां सभी पार्टियों को एक जैसा मौका नहीं दे रही हैं। भावनात्मक रूप से भरी गलत सूचनाओं के माध्यम से आवाम के दिमाग में नफरत भरी जा रही है। फेसबुक जैसी कंपनियां इससे अवगत हैं। ये इससे मुनाफा कमा रही हैं। सोशल मीडिया कंपनियां सत्ता की मिलीभगत से सामाजिक सद्भाव भंग कर रही हैं। यह हमारे लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। लोकतंत्र को हैक करने के लिए सोशल मीडिया के दुरुपयोग का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया कंपनियों के दखलंदाजी को समाप्त के लिए कदम उठाए। कांग्रेस नेता ने अल जजीरा और द रिपोर्टर्स कलेक्टिव में प्रकाशित एक रिपोर्ट का भी हवाला दिया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फेसबुक ने राजनीतिक दलों की तुलना में भाजपा को चुनावी विज्ञापनों के लिए सस्ते सौदों की पेशकश की थी।

फैसले ले रही थीं प्रियंका गाज गिरी लल्लू पर

» वोटों के ध्रुवीकरण को कांग्रेस की हार का माना गया कारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की रणनीति और कार्यक्रमों के बारे में सभी अहम फैसले प्रियंका गांधी की टीम ले रही थी, पर हार का ठीकरा सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू पर फूटा। उन्होंने दिल्ली में चल रही समीक्षा बैठक के दौरान ही पद से त्यागपत्र दे दिया। भाजपा और सपा के बीच वोटों के ध्रुवीकरण को कांग्रेस की हार का कारण माना गया। साथ ही वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में अभी से जुटने का आह्वान किया। दिल्ली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की मौजूदगी में यूपी चुनाव में हार के कारणों की समीक्षा की गई। तीन घंटे चली बैठक में सभी प्रमुख नेताओं ने बारी-बारी से अपनी बात रखी।

प्रदेश अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के अलावा प्रमोद कृष्णम, राजीव शुक्ला, संजय कपूर, प्रदीप माथुर और प्रमोद तिवारी समेत कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। प्रियंका ने कहा कि हार से हताश होने की जरूरत नहीं है। इससे सबक लेते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। कांग्रेस के सभी प्रमुख नेताओं ने जो बातें रखीं, उसका लब्बोलुआब यही था कि यूपी में चुनाव मतदाता दो हिस्सों में बंटा। एक जो भाजपा को बचाना चाहते थे, और दूसरा वे जो भाजपा को हटाना चाहते थे। भाजपा को हटाने की इच्छा रखने वालों ने कांग्रेस के बजाय सपा को बेहतर विकल्प माना। कांग्रेस ने जनता के मुद्दों पर लगातार जुझारू ढंग से संघर्ष किया, लेकिन जनता का भरोसा जीतने में कहीं न कहीं कमी रह गई। लल्लू के त्यागपत्र के बाद प्रियंका ने उनके कार्यकाल में हुए संघर्षों और कामों की प्रशंसा भी की। वहीं, कांग्रेस के ही एक धड़े का कहना है कि विधानसभा चुनाव से काफी पहले से ही प्रदेश कांग्रेस के सभी निर्णय प्रियंका गांधी की टीम ही ले रही थी। इसमें उनके भरोसेमंद नेता और स्टाफ के लोग शामिल थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अधिकतर पदाधिकारियों की भूमिका काफी सीमित कर दी गई थी। उनसे कार्यक्रमों में भीड़ जुटाने तक के लिए नहीं कहा जाता था। यह काम भी पेड ईवेंट मैनेजमेंट कंपनियों से कराया जा रहा था, जिसके बारे में सभी निर्णय प्रियंका टीम ही ले रही थी। इस धड़े का मानना है कि लल्लू का प्रदेश में पर्याप्त जातिगत आधार न होने का कारण वे चुनावी परिणाम के लिहाज से बेहतर अध्यक्ष साबित नहीं हुए, लेकिन कार्रवाई उन पर भी होनी चाहिए, जिन्होंने चुनाव से पहले टिकट वितरण से लेकर कार्यक्रम आयोजित करने के बाबत अहम निर्णय लिए। खुले मन से यह विचार हो कि तमाम दावों के बावजूद ग्राम पंचायत और न्याय पंचायत स्तर पर कांग्रेस संगठन प्रभावी क्यों साबित नहीं हुए। जबकि इनको लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। जो ये झूठे दावे कर रहे थे, उन्हें भी कार्रवाई के दायरे में लाया जाना चाहिए।

कांग्रेस में नहीं थम रहा आरोप-प्रत्यारोप का दौर

कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब यूपी कांग्रेस के मीडिया संयोजक लल्लन कुमार ने पार्टी के इलेक्ट्रॉनिक एवं उर्दू मीडिया विभाग के संयोजक जीशान हैदर को अन्य लोगों के एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। लल्लन ने कहा कि जीशान हैदर का शीर्ष नेतृत्व पर आरोप लगाना गलत है। ये वही हैं, जिन्हें अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं था। एजेंट की तरह ये पार्टी के अंदर काम कर रहे थे।

सुनील साजन, उदयवीर सिंह हीरालाल फिर मैदान में

» डॉ. कफील भी बने एमएलसी प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के ऑक्सीजन कांड में घिरने वाले डॉ. कफील खान को सपा ने विधान परिषद का प्रत्याशी बनाया है। विधान परिषद स्थानीय निकाय प्राधिकारी क्षेत्र की 36 सीटों में से डॉ. कफील को देवरिया क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। ऑक्सीजन कांड के बाद से ही कफील बर्खास्त चल रहे हैं।

विधान परिषद प्राधिकारी क्षेत्र के चुनाव में सपा ने कई नए चेहरों को उतारा है तो कई निवर्तमान एमएलसी ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। ऐसे इन सीटों पर नए दावेदार को उतारने की तैयारी है। जिन 36 सीटों पर चुनाव हैं, उनमें से 33 सीट पर सपा का कब्जा रहा है।

सात पार्टी छोड़कर भाजपा में जा चुके हैं। सपा ने विधान परिषद प्राधिकारी क्षेत्र के चुनाव में कई निवर्तमान एमएलसी को दोबारा मौका दिया है। इनमें फैजाबाद-अंबेडकर नगर से हीरालाल यादव, लखनऊ-उन्नाव से सुनील सिंह यादव साजन, मथुरा-एटा-कासगंज से उदयवीर सिंह, बस्ती-गोरखपुर से संतोष यादव सनी, बाराबंकी से राजेश यादव शामिल हैं। सपा के कई निवर्तमान एमएलसी इस बार चुनाव मैदान में नहीं दिखेंगे। उन्होंने पार्टी शीर्ष नेतृत्व को अपनी इच्छा से वाकिफ करा दिया है। ऐसे में संबंधित सीट पर नए दावेदारों का मूल्यांकन शुरू कर दिया गया है। उम्मीद है कि इन सीटों पर बृहस्पतिवार तक उम्मीदवार तय कर लिए जाएंगे। सपा ने बलिया से समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी को मैदान में उतारा है। यहां से सपा के टिकट पर एमएलसी रहे रविशंकर सिंह पप्पू अब भाजपा में हैं। जौनपुर से डॉ. मनोज यादव, श्रावस्ती-बहराइच से अमर सिंह, आजमगढ़ से राकेश गुड्डू को मैदान में उतारा गया है। पार्टी की ओर से इन उम्मीदवारों की अधिकृत सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन दावेदारों ने बताया कि उन्हें शीर्ष नेतृत्व ने हरी झंडी दे दी है।

बोर्ड परीक्षा में संवेदनशील जिलों में एसटीएफ रखेगी नजर : दुर्गा शंकर

» मुख्य सचिव बोले, नकल कराने वालों पर होगी रासुका के तहत कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बोर्ड की परीक्षाओ को नकल विहीन कराने के लिए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने फुलप्रूफ खाका तैयार किया है। संगठित रूप से नकल कराने वालों पर रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशील जिलों में एसटीएफ को निगरानी की जिम्मेदारी दी जाएगी और प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए सशस्त्र पुलिस बल लगाया जाएगा।

सभी परीक्षा केन्द्रों के सभी कक्षों में सीसीटीवी कैमरे होंगे। कक्ष निरीक्षकों की

ड्यूटी साफ्टवेयर के माध्यम से लगाई जाएगी। उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा के लिए मुख्य सचिव ने वीसी कर अफसरों की जिम्मेदारियां तय कीं। मुख्य सचिव ने कहा कि जिला प्रशासन प्रश्न पत्रों के पहुंचने से पहले ही प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के लिए उसे जिला मुख्यालय में पुलिस कस्टडी में रखा जाए। परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न पत्रों का वितरण जिलाधिकारी की ओर से नामित अधिकारी की निगरानी में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा पुलिस अभिरक्षा में कराया जाएगा। उन्होंने जिलों को अफसरों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा की अवधि में पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल उपलब्ध रहे। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए जिलों में जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए जाएं। उन्होंने कहा अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखी जाए और ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाए। मुख्य सचिव ने परीक्षा अवधि में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश भी दिए हैं।

नानपारा से अपना दल के विधायक राम निवास वर्मा पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहराइच-रुपईडीहा हाईवे पर चरसंडा माफी के पास घात लगाए तीन युवकों ने नानपारा के नव निर्वाचित विधायक व अपना दल एस के विधान मंडलदल के नेता राम निवास वर्मा की कार पर ईंटों की बौछार कर दी। चालक के ब्रेक लेने पर गनर जब तक कार से कूदे, तो हमलावर फरार हो गए। कार के साइड का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार व मटेरा एसएचओ मौके पर पहुंच गए। नानपारा विधायक राम निवास वर्मा नानपारा इलाके

के असवा गांव से नृसिंह डीहा आ रहे थे। चरसंडा माफी में एक आटो ऐजेंसी के निकट तीन युवक खड़े थे। जैसे ही कार उनके नजदीक पहुंची। युवकों ने उनकी कार पर ईंटों की बौछार कर दी। इस हमले में विधायक के साइड का शीशा टूट कर सड़क पर बिखर गया। नानपारा एसएचओ राज कुमार सिंह ने बताया कि हमलावरों की तलाश की जा रही है।

और मजबूत होगी यूपी की कानून व्यवस्था

» अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए योजनाओं पर किया गया विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ जीत हासिल करते हुए भाजपा 37 सालों में पहली ऐसी पार्टी बन गई है जो लगातार दूसरी बार यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। ऐसे में सबसे अहम मुद्दा कानून-व्यवस्था का रहा, जिसके बल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोबारा जनता के दिलों में जगह बनाने में सफल रहे।

जिस कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भाजपा ने दोबारा पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया है, उसे और मजबूत बनाने के लिए गृह विभाग विस्तृत कार्ययोजना पर मंथन कर रहा है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की अगुवाई में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अल्पकालिक,

मध्यकालिक व दीर्घकालिक योजनाओं पर विचार किया गया। विभिन्न अपराधों में दोषियों की सजा का प्रतिशत बढ़ाने के लिए और प्रयास किए जाएंगे। इसी कड़ी में गवाहों के बयानों की वीडियोग्राफी कराये जाने तथा उसे केस डायरी का हिस्सा बनाये जाने पर भी विचार किया जा रहा है। जल्द कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण मुख्य सचिव के समक्ष होगा। पुलिस के अलावा अन्य विभागों में भी कामकाज को और बेहतर किये जाने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। अपर मुख्य सचिव, गृह की अध्यक्षता में कमांड सेंटर में हुई उच्च स्तरीय बैठक में प्रस्तावित योजना का तीन चरणों में क्रियान्वयन किये जाने पर विचार हुआ। अल्पकालिक योजना के तहत एक से दो वर्ष में, मध्यकालिक योजना के तहत दो से पांच वर्ष में तथा दीर्घकालिक योजना में पांच वर्ष से अधिक अवधि के लक्ष्यों का निर्धारण प्रस्तावित किया गया है। इसी आधार पर पुलिस विभाग की विभिन्न इकाइयों को योजनाबद्ध ढंग से और मजबूत बनाने की परिकल्पना है। पुलिस विभाग के प्रारंभिक प्रस्ताव के सभी बिंदुओं पर विचार किये जाने के साथ ही उसके बजट को लेकर भी विमर्श हुआ। विशेषकर कंट्रोल कमांड सेंटर और अधिक सुदृढ़ व अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किये जाने पर सहमति जताई गई। साथ ही सोशल मीडिया सेल को अधिक प्रभावी बनाया जायेगा। जिला स्तर पर भी सेल को मजबूत किया जायेगा।

हार से नहीं घटा केशव का कद, फिर मिल सकता बड़ा पद

पार्टी हाईकमान से लेकर संगठन तक में जिम्मेदारी देने के लिए मंथन शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सिराथू विधान सभा चुनाव में पराजय के बाद निवर्तमान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के भविष्य को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। 2017 के विधान सभा चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष रहते पार्टी को प्रचंड जीत दिलाने वाले केशव प्रसाद मौर्य जहां सीएम पद की रेस में शामिल थे वहीं पांच साल बाद 2022 में उनके लिए डिप्टी सीएम पद को लेकर भी असमंजस की स्थित उत्पन्न हो गई है। हालांकि उनके समर्थक और करीबी यह मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि भाजपा केशव प्रसाद के मेहनत को नजर अंदाज करेगी।

भाजपाइयों को मानना है कि मौर्य को पुन: डिप्टी सीएम या कोई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। पार्टी हाईकमान से लेकर संगठन तक डिप्टी सीएम को जिम्मेदारी के लिए मंथन शुरू हो गया है। शीघ्र ही इसके बारे में कोई फैसला लिया जा सकता है। हालांकि सिराथू से हार के चलते कई सवाल भी उठने लगे हैं। विधान सभा चुनाव के दौरान सिराथू सीट पर केशव को भले ही पराजय का सामना करना पड़ा हो लेकिन इस हार से उनका कद नहीं घटा है। समर्थक मान रहे हैं कि उन्हें फिर से बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। वहीं केशव के समर्थकों समेत भाजपाइयों ने उन्हें एक बार फिर से प्रदेश का डिप्टी सीएम बनाए जाने की मुहिम सोशल मीडिया के माध्यम से छेड़ दी है। माना जा रहा है कि पार्टी उनकी अनदेखी नहीं करेगी। चर्चा है कि भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में केशव मौर्य फिर से शपथ लेकर डिप्टी सीएम बनेंगे। प्रदेश कार्य समिति सदस्य सुबोध सिंह, विक्रमाजीत सिंह भदौरिया समेत कई लोगों ने सोशल मीडिया के माध्यम से शीर्ष नेतृत्व से उन्हें एक बार फिर से डिप्टी सीएम बनाए जाने का आग्रह किया। भाजपा एमएलसी सुरेंद्र चौधरी आदि ने भी डिप्टी सीएम से मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया में साझा की।

पिछड़ी जाति के बड़े चेहरे हैं मौर्य

केशव मौर्य को लेकर कहा जा रहा है कि वह भाजपा में पिछड़ी जाति के प्रदेश के सबसे बड़े चेहरे हैं। 2017 में उनके प्रदेश अध्यक्ष रहने के दौरान ही भाजपा ने 300 से ज्यादा सीटें जीती। इसके पूर्व वर्ष 2014 में ही फूलपुर से सांसद का चुनाव केशव ने रिकार्ड मत से जीतकर वहां पहली बार कमल खिलाया था। इस बार भी विधान सभा चुनाव के दौरान डिप्टी सीएम ने प्रदेश के सभी जिलों में ताबड़तोड़ सभाएं कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का काम किया।

केशव के विधान सभा प्रभारी ने ली हार की जिम्मेदारी

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के विधान सभा प्रभारी अरुण अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनकी हार की नैतिक जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि लोग सिराथू की जनता को दोष न दें। जनता ने भरपूर सहयोग किया। सिराथू विधान सभा का प्रभारी होने की वजह से इस हार की नैतिक जिम्मेदारी मेरी है। मेरा पूरा प्रयास रहा कि मैं अपना सौ फीसदी दूं, फिर भी जाने अनजाने मेरे किसी कृत्य से किसी को आघात पहुंचा हो तो क्षमा चाहता हूं।

कौशांबी की पांचों विधान सभा में पिछड़ी भाजपा

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की हार को लेकर चर्चा यही हो रही है कि उन्हें पार्टी की भितरघात भारी पड़ गई। चुनाव प्रचार के दौरान सभी नेताओं ने केशव के साथ मंच जरूर साझा किया, लेकिन अंदर ही अंदर खेल कुछ और चल रहा था। कौशांबी संसदीय सीट से लगातार दो बार सांसद रहे विनोद सोनकर की बात करें तो उनके संसदीय क्षेत्र में आने वाली पांचों विधान सभा में भाजपा को हार मिली। बाबागंज में पार्टी प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहा। यहां उसे 30391 मत मिले। इसी तरह कुमें भाजपा प्रत्याशी को महज 8.36 फीसदी मत मिले। चायल में 75609, मंझनपुर में 97628 मत भाजपा व गठबंधन सहयोगियों को मिले।

केशव का राजनीतिक भविष्य तय करेगा संघ और संगठन

केशव अभी विधान परिषद सदस्य हैं। केशव ने विश्व हिंदू परिषद के जरिए भाजपा की राजनीति में कदम रखा था। विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल के करीबी रहे केशव को आरएसएस के सह कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सर सह कार्यवाह कृष्णगोपाल सहित अन्य नेताओं का भी करीबी माना जाता है। संघ और भाजपा के शीर्ष नेताओं के प्रयास से ही पिछड़े वर्ग के बीच केशव को पार्टी के चेहरे के रूप में पहचान स्थापित की गई। सूत्रों के मुताबिक पिछड़े वर्ग के वोट बैंक को ध्यान में रखकर ही केशव के मुद्दे पर निर्णय लिया जाएगा।

सियासी परिवार के वारिसों ने बिखेरी चमक कायम किया दबदबा

विधान सभा चुनाव जीतकर सियासत में बनायी पैठ

खुल कर चला परिवारवाद और भाई-भतीजावाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में सियासी परिवारों के कई वारिसों ने अपनी धमक बढ़ाई है। इससे परिवार का क्षेत्र में दबदबा बढ़ा है। इसके साथ आने वाले समय में सियासी पैठ भी बनी है। इस बार भी चुनाव में भाई-भतीजावाद खूब चला। सभी पार्टियों ने इसके जरिए सत्ता को साधने की कोशिश की।

भले ही परिवारवाद और भाई-भतीजावाद को लेकर राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हमले करते रहे हों लेकिन इससे कोई अछूता नहीं नजर आया है। इस विधान सभा चुनाव में भी राजनीतिक परिवारों के कई वारिसों ने चुनाव जीतकर सियासत में पैठ बनाई है। कुशीनगर की फाजिलनगर सीट से दो बार विधायक चुने गए गंगा सिंह कुशवाहा की अगली पीढ़ी ने सियासत में धमक के साथ एंट्री की है। उम्र के तकाजे से गंगा खुद चुनाव नहीं लड़े लेकिन भाजपा ने इस बार उनके पुत्र संजय कुशवाहा को टिकट देकर मैदान में उतारा। संजय ने योगी सरकार में मंत्री पद से त्यागपत्र देकर सपा में शामिल हुए स्वामी प्रसाद मौर्य पर धमाकेदार जीत दर्ज कर सियासत में परिवार का रुतबा बढ़ाया दिया है। पीलीभीत की बीसलपुर सीट से चार बार विधायक रहे अगयश राम सरन वर्मा ने भी अगली पीढ़ी को सियासत की मुंडेर पर चढ़ते देखा। उनकी जगह चुनाव मैदान में बतौर भाजपा प्रत्याशी उतरे उनके पुत्र विवेक वर्मा ने शानदार जीत दर्ज की। मऊ की घोसी सीट के पुराने लड़ैया फागू चौहान पटना के राजभवन में विराजे तो सक्रिय राजनीति में परिवार का दखल बरकरार रखने की जिम्मेदारी उनके पुत्र रामविलास चौहान पर आई। मऊ की मधुबन सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कर रामविलास ने इलाकाई राजनीति में परिवार का दबदबा बरकरार रखा। विधान सभा के दिवंगत अध्यक्ष सुखदेव राजभर ने बसपा के पुराने सिपाही के तौर पर आजमगढ़ की जिस दीदारगंज सीट का विधान सभा में प्रतिनिधित्व किया उनके पुत्र कमलाकांत राजभर ने सपा उम्मीदवार के तौर पर यह सीट जीतकर परिवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाया। रायबरेली के सलोन क्षेत्र के विधायक दल बहादुर कोरी की पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण हुई मौत के बाद भाजपा ने उनके पुत्र अशोक कोरी पर भरोसा जताया। अशोक ने यह सीट जीतकर सियासत में परिवार के खूंटे की मजबूती बरकरार रखी। प्रतापगढ़ से अपना दल के सांसद रहे हरिवंश सिंह के पुत्र डा.रमेश सिंह ने निषाद पार्टी के उम्मीदवार के रूप में जौनपुर की शाहगंज सीट पर शैलेंद्र यादव ललई को हराकर सियासत में परिवार का जलवा कायम रखा। अखिलेश सरकार में खनन मंत्री रहे गायत्री प्रजापति भले ही दुष्कर्म के मामले में सलाखों के पीछे हों लेकिन जिस अमेठी सीट की उन्होंने कभी विधान सभा में नुमाइंदगी की, उनकी पत्नी महाराजी प्रजापति ने सपा की झोली में वह सीट डालकर उस पर परिवार का वर्चस्व साबित किया।

ये नहीं बरकरार रख सके रसूख

भाजपा के 75 पार वाले फार्मूले के तहत इस बार बहराइच की कैसरगंज सीट से खुद चुनाव न लड़कर बेटे गौरव वर्मा को भाजपा का टिकट दिलाने वाले सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा सौभाग्यशाली नहीं रहे। करीबी मुकाबले में गौरव सपा के आनंद कुमार से 7711 वोटों से हार गए। पिछले विधान सभा चुनाव में बिजनौर की नूरपुर सीट पर जीत दर्ज कराने वाले विधायक लोकेन्द्र सिंह चौहान की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद यहां हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी अवनी सिंह हार गई थीं। इस बार भाजपा ने उनके भाई सीपी सिंह पर दांव खेला लेकिन परिवार के सियासी रसूख को वह भी बरकरार नहीं रख सके। कोरोना संक्रमण से पिछले वर्ष जान गंवाने वाले राज्य मंत्री विजय कश्यप की चरथावल सीट पर भाजपा ने उनकी पत्नी सपना कश्यप को उम्मीदवार बनाया लेकिन उनके चुनाव हारने से परिवार की उम्मीदें टूट गईं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कोरोना काल, बच्चे और वैक्सीनेशन

सवाल यह है कि व्यापक स्तर पर बच्चों का वैक्सीनेशन करने में सरकार को इतना वक्त क्यों लग रहा है? बारह साल से कम के बच्चों का टीकाकरण कब होगा? क्या वैक्सीनेशन से स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ेगी? क्या चौथी लहर की आंशका को नजरअंदाज किया जा सकता है? क्या बिना संपूर्ण वैक्सीनेशन के कोरोना के खतरे से निपटा जा सकता है?

पिछले दो साल से देश कोरोना वायरस से परेशान है। अब तक देश में पहली, दूसरी और तीसरी लहर आ चुकी है। सबसे ज्यादा जनहानि दूसरी लहर के दौरान हुई। कोरोना के डेल्टा वैरिएंट ने कई लाख लोगों की जान ले ली है। वहीं कोरोना की चौथी लहर की आशंका के बीच सरकार ने अब 12 से 14 साल तक के बच्चों और साठ साल से ऊपर के सभी बुजुर्गों को प्रिकाशन डोज लगाने को मंजूरी दे दी है। वैक्सीनेशन का कार्यक्रम शुरू हो चुका है। सवाल यह है कि व्यापक स्तर पर बच्चों का वैक्सीनेशन करने में सरकार को इतना वक्त क्यों लग रहा है? बारह साल से कम के बच्चों का टीकाकरण कब होगा? क्या वैक्सीनेशन से स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ेगी? क्या चौथी लहर की आंशका को नजरअंदाज किया जा सकता है? क्या बिना संपूर्ण वैक्सीनेशन के कोरोना के खतरे से निपटा जा सकता है? क्या चीन में बढ़ते कोरोना केसों से सरकार कोई सबक नहीं लेगी? क्या प्रिकाशन डोज बुजुर्गों को कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए बेहतर साबित होगी? क्या कोरोना टीकाकरण देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सफल रहेगा?

चीन में फिर से बढ़ते कोरोना संक्रमण ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। भारत में भी चौथी लहर की आशंका जताई जा रही है। लिहाजा सरकार देश में संपूर्ण वैक्सीनेशन पर जोर दे रही है। अब बच्चों के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है। इसी सिलसिले में 12 से 14 वर्ष के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू किया गया है। इन्हें कोर्बीवैक्स की दो डोज दी जाएगी। इसके पहले 15 से 17 साल के बच्चों का टीकाकरण जनवरी में शुरू किया गया था। इसमें दो राय नहीं है कि वैक्सीन के जरिए ही कोरोना संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकेगा। वैक्सीनेशन के चलते ही तीसरी लहर का असर खतरनाक नहीं हुआ और दैनिक मामले भी तेजी से घट रहे हैं। यही नहीं संक्रमण पर नियंत्रण लगने के कारण गतिविधियां भी सामान्य होने लगी हैं। पाबंदियां खत्म हो चुकी हैं और बाजार फिर से गुलजार होने लगे हैं। स्कूल-कॉलेज भी खुल चुके हैं। जैसे-जैसे बच्चों का वैक्सीनेशन तेज होगा स्कूलों में छात्रों की संख्या भी बढ़ेगी क्योंकि कोरोना के कारण काफी संख्या में अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से अभी भी परहेज कर रहे हैं। बावजूद इसके अभी भी सभी बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू नहीं हो सका है। सरकार को चाहिए कि वह जल्द से जल्द सभी उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीनेशन शुरू करे क्योंकि बिना संपूर्ण वैक्सीनेशन के कोरोना संक्रमण के खतरे को नियंत्रित नहीं जा सकता है। एक और लहर हालात को फिर से बिगाड़ सकती है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सर्विस सेक्टर में उम्मीदों का रोजगार

भरत झुनझुनवाला

उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत अपेक्षा के अनुरूप है क्योंकि भाजपा सरकार ने कानून-व्यवस्था में विशेष सुधार हासिल किया है। महत्वपूर्ण है पंजाब में आप की जीत जो दर्शाती है कि केवल पुलवामा, कानून व्यवस्था अथवा रोजगार के वादों से जनता का पेट नहीं भर रहा है। जनता को अपने जीवन स्तर में सुधार चाहिए। फिर भी बिजली-पानी की सीमा है। इनके पीछे असल जरूरत रोजगार की ही होती है। इस बात को केंद्र सरकार ने समझा भी है। वित्तमंत्री ने बजट में पूंजी खर्चों में भारी विस्तार किया है और आशा जाहिर की है कि कि इससे रोजगार बनेंगे लेकिन पूंजी खर्चों का विस्तार भाजपा के बीते 7 वर्षों से करती आयी है फिर रोजगार बन क्यों नहीं रहे?

कारण यह है कि पूंजी खर्चों से रोजगार बन भी सकते हैं और नष्ट भी हो सकते हैं। जैसे यदि रोबोट में पूंजी निवेश किया जाए तो रोजगार का हनन होता है। पूंजी निवेश अवश्य होता है लेकिन जो काम पहले श्रमिक द्वारा किया जा रहा है वह अब रोबोट द्वारा किये जाने से रोजगार का हनन होता है। वहीं यदि वही पूंजी निवेश गांव की सड़क अथवा कस्बे की वाईफाई में किया जाए तो रोजगार का सृजन होता है क्योंकि आम आदमी को अपने माल को बाजार तक पहुंचाने अथवा खरीदने में सुविधा होती है इसलिए केवल पूंजी निवेश से रोजगार उत्पन्न नहीं होता बल्कि यह देखना चाहिए कि किस प्रकार का पूंजी निवेश किया जा रहा है। देश के सामने विशेष समस्या जनसंख्या की है। 70 एवं 80 के दशक में स्वास्थ्य सुविधाओं और भोजन की उपलब्धता में अपने देश में भारी सुधार हुआ था, जिसके कारण बाल मृत्यु दर में गिरावट आई और उस समय हमारी जनसंख्या में भारी वृद्धि हुई। उस समय पैदा होने वाले बच्चे अब वयस्क हो चले हैं और अब यह श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं इसलिए हमारे सामने चुनौती केवल वर्तमान रोजगार के स्तर को बनाए रखने की नहीं है। हमारे सामने चुनौती है कि अधिक संख्या में श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे नए युवाओं के लिए अतिरिक्त रोजगार उत्पन्न करें। जबकि वस्तुस्थिति यह है कि अपने देश में मैन्युफैक्चरिंग में कुल रोजगार में गिरावट आ रही है क्योंकि उत्तरोत्तर पूंजी निवेश ऑटोमेटिक मशीनों में किया जा रहा है इसलिए पूंजी निवेश से रोजगार उत्पन्न होने की संभावना कम ही है।

एपीजे स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार यदि हमारे जीडीपी में 1 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो 0.2 प्रतिशत की वृद्धि

रोजगार में होती है। दूसरे अध्ययन के अनुसार 1 प्रतिशत जीडीपी की वृद्धि से वैश्विक स्तर पर रोजगार में 0.3 प्रतिशत की वृद्धि होती है। अर्थ हुआ कि दूसरे देशों की तुलना में अपने देश में आर्थिक विकास से रोजगार कम बन रहे हैं जबकि हमारी जरूरत दूसरे देशों की तुलना में ज्यादा रोजगार बनाने की है। पहला कार्य यह किया जा सकता है कि 'मेक इन इंडिया' पर फोकस करने के स्थान पर हम 'सर्वड फ्रॉम इंडिया' पर ध्यान दें। मसलन तमाम ऐसी सेवाएं हैं, जिनको ऑटोमेटिक मशीनों से नहीं किया जा सकता जैसे बच्चों को शिक्षा देना, अस्पतालों में मरीजों की सेवा करना, किताबों का ट्रांसलेशन करना, फिल्में बनाना इत्यादि। यदि हम इन सेवाओं के उत्पादन पर ध्यान दें तो हम इन सेवाओं का सम्पूर्ण विश्व को निर्यात कर सकते हैं जैसे अमेरिका के रोगियों को भारत में लाकर अच्छा स्वास्थ्य उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। यहां समस्या यह है कि अपने देश के युवा ट्रांसलेशन जैसी स्किल को हासिल करने में रुचि नहीं रखते हैं। उनके जीवन का एकमात्र सपना सरकारी नौकरी का है। वे देखते हैं कि सरकारी नौकर फल-फूल रहे हैं और भ्रष्टाचार की भी कमाई पा रहे हैं जबकि अन्य तमाम स्किल्ड लोगों की आय न्यून बनी हुई है इसलिए उनका ध्यान स्किल हासिल करने में नहीं है। वे स्वयं रोजगार करके आय अर्जित करना ही नहीं चाहते हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य है कि सरकारी नौकरी की पात्रता बन जाए इसके लिए जरूरी प्रमाण पत्र हासिल कर लें और येन केन प्रकारेण सरकारी नौकरी हासिल कर लें। इसलिए अपने देश के युवा जब तक ऐसी स्किल को हासिल नहीं करेंगे, जिसे वे बाजार में बेचकर अपनी आय न अर्जित कर सकें तब तक अपने देश में रोजगार उत्पन्न होना कठिन है। इसलिए सरकार को चाहिए कि सरकारी नौकरी का जो आकर्षण है उसको घटाए। इससे वे स्किल हासिल करने पर ध्यान देना शुरू करेंगे। दूसरा सरकार श्रम कानूनों को लचीला बनाए। इसके अलावा ट्रेड यूनियन द्वारा हड़ताल इत्यादि की समस्याएं भी रहती हैं। इसलिए मैन्युफैक्चरिंग में रोजगार का सृजन नहीं हो रहा है। उद्यमियों को श्रमिकों को रोजगार देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जरूरी है कि श्रम कानून लचीला बनाया जाए ताकि उद्यमी अपनी जरूरत के मुताबिक रोजगार दे सकें।

अधिकारों के प्रति जागरूक हों

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में प्रतिवर्ष 15 मार्च को 'विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उनके हितों के लिए बनाये गये उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों एवं प्रावधानों की जानकारी देना है। यह दिवस मनाने की नींव सही मायनों में 15 मार्च, 1962 को पड़ गयी थी, जब अमेरिकी कांग्रेस में वहां के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने उपभोक्ता अधिकारों को लेकर शानदार भाषण दिया था। वे विश्व के पहले ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने पहली बार औपचारिक रूप से उपभोक्ता अधिकारों की परिभाषा को रेखांकित किया था। उसी ऐतिहासिक भाषण के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। यह दिवस सबसे पहले 1983 में मनाया गया था।

भारत में उपभोक्ताओं को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए कई कानून बने, लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अस्तित्व में आने के बाद न केवल उपभोक्ताओं को शीघ्र, त्वरित व कम खर्च पर न्याय दिलाने का मार्ग प्रशस्त हुआ बल्कि कंपनियां व प्रतिष्ठान भी अपनी सेवाओं अथवा उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के प्रति सचेत हुए। उपभोक्ता अधिकारों को मजबूती देने के लिए 20 जुलाई, 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' को लागू किया गया। ग्राहकों के साथ होनेवाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए बना यह कानून साढ़े तीन दशक पुराने 'उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986' का स्थान ले चुका है। पारंपरिक विक्रेताओं के अलावा तेजी से बढ़ते ऑनलाइन कारोबार को भी इस कानून के दायरे में लाया गया है। अब ई-कॉमर्स कंपनियां खराब सामान बेचकर उपभोक्ताओं की शिकायतों को दरकिनार नहीं कर सकेंगी। ई-कॉमर्स नियमों के तहत विक्रेताओं के लिए मूल्य, समाप्ति तिथि, रिटर्न, रिफंड, एक्सचेंज, वारंटी-गारंटी, वितरण और शिपमेंट, भुगतान के तरीके, शिकायत निवारण तंत्र, भुगतान के तरीकों के बारे में विवरण प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। इन्हें सामान के 'मूल उद्गम देश' का विवरण भी देना होगा। नये कानून के तहत उपभोक्ता अब देश की किसी भी उपभोक्ता अदालत में मामला दर्ज करा सकते हैं। वे किसी भी स्थान और किसी भी माध्यम के जरिये शिकायत कर सकते हैं। इस कानून में उपभोक्ता अदालतों के साथ-साथ एक सलाहकार निकाय के रूप में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना का प्रावधान है, जो उपभोक्ता अधिकारों, अनुचित व्यापार प्रथाओं और भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित मामलों में पूछताछ और जांच करेगा। नया कानून उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप से शिकायतें दर्ज कराने और उपभोक्ता आयोगों में शिकायतें दर्ज करने में भी सक्षम बनाता है। इसमें 'उपभोक्ता मध्यस्थता सेल' के गठन का प्रावधान भी है ताकि दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद सुलझा सकें। मध्यस्थता करना दोनों पक्षों की सहमति के बाद ही संभव होगा और ऐसी स्थिति में दोनों पक्षों को उपभोक्ता अदालत का निर्णय मानना अनिवार्य होगा तथा इस निर्णय के खिलाफ अपील भी नहीं की जा सकेगी। नये कानून में प्रयास किया गया है कि दावों का यथाशीघ्र निपटारा हो।

उपभोक्ता आयोगों में स्थगन प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ राज्य और जिला आयोगों को अपने आदेशों की समीक्षा करने का अधिकार भी दिया गया है। नये उपभोक्ता कानून में भ्रमित करनेवाले विज्ञापनों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण को अधिकार दिया गया है कि वह जिम्मेदार व्यक्तियों को दो से पांच वर्ष की सजा के साथ कंपनी पर दस लाख रुपये तक का जुर्माना लगा सके। ज्यादा गंभीर मामलों में जुर्माने की राशि 50 लाख रुपये तक भी संभव है। प्राधिकरण के पास उपभोक्ता अधिकारों की जांच करने के अलावा वस्तु और सेवाओं को वापस लेने का अधिकार भी है। पुराने उपभोक्ता कानून में जनहित याचिका उपभोक्ता अदालतों में दायर करने का प्रावधान नहीं था, लेकिन नये कानून के तहत अब ऐसा किया जा सकता है। इस कानून के तहत उपभोक्ता फोरम में एक करोड़ तक के मामले, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में एक करोड़ से 10 करोड़ तक के मामले और राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में 10 करोड़ से ऊपर के मामलों की सुनवाई की जा सकती है।

उपभोक्ता दिवस मनाये जाने का मूल उद्देश्य है कि उपभोक्ताओं में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रसार किया जा सके और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं, तो इसकी शिकायत वे उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्यवाही में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज करायी जा सकती है। उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए अदालती शुल्क की भी आवश्यकता नहीं पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है। उपभोक्ता संरक्षण कानून का मुख्य उद्देश्य ही यही है कि उपभोक्ताओं को उनकी इच्छा के अनुरूप उचित मूल्य, गुणवत्ता, शुद्धता, मात्रा एवं मानकों में वस्तुएं और सेवाएं उपलब्ध हों। 2020 में नया उपभोक्ता कानून अस्तित्व में आने के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि यह देश के उपभोक्ताओं को ज्यादा ताकतवर बनायेगा।

फालैन गांव में आग के शोलों पर मनाई जाती है होली

ब्रज मंडल में एक गांव ऐसा भी है जहां के लोग होली देखने आने वाले मेहमानों की बड़े चाव से आवाभगत करते हैं। मेहमान की सुख-सुविधा का पूरा ख्याल रखा जाता है। इस गांव में मेहमानों के लिए एक महीने पहले से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। लोग अपने घरों की रंगाई-पुताई में जुट जाते हैं। गांव में होली देखने आने वाले लोग न तो किसी होटल में रुकते हैं और न किसी रेस्टोरेंट में बल्कि गांव के ही रहने वाले लोगों के घर में रहते हैं और खाना पीना भी उन्हीं के साथ ही खाते हैं। यहां की होली देशभर में प्रसिद्ध हैं।

गांव में करीब 2000 परिवार रहते हैं

ब्रजमंडल की होली पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। ऐसे में कई गांव ऐसे हैं जहां की होली का अलग ही रंग और अलग ही महत्व है। हम बात कर रहे हैं ब्रज क्षेत्र के कोसीकला क्षेत्र के फालैन गांव की। इस गांव में होलिका दहन के दिन एक पंडा जलती हुई होली से गुजरता है। इसी पल को देखने के लिए और उस का आनंद उठाने के लिए देश-विदेश से लोग यहां पर आते हैं। इस गांव में न तो कोई होटल है और न ही कोई धर्मशाला। ऐसे में गांव में आने वाले मेहमानों की खातिरदारी गांव के ही लोग करते हैं। गांव के प्रधान कैलाश सूपानिया का कहना है कि गांव में करीब 2000 परिवार रहते हैं। गांव में आने वाले मेहमान इन्हीं लोगों के घर में रुकते हैं। इसके लिए करीब एक महीने पहले से ही घरों की रंगाई-पुताई शुरू हो जाती है।

मेहमानों को ठहराने का भी है नियम

गांव के लोगों के अनुसार होलिका दहन से 1 हफ्ते पहले ही यहां पर देशी-विदेशी पर्यटक आने लग जाते हैं। और कोई यहां एक-दो दिन या कोई 4 दिन तक भी रुकता है। गांव में परंपरा है कि चाहे किसी का भी रिश्तेदार गांव में आया हो और जो भी ग्रामीण उसे पहले मिल जाएगा। वह उसी के घर पर रुकेगा और इसके बाद उस मेहमान की आवाभगत की शुरुआत होती। ग्रामीणों का कहना है कि मेहमानों के स्वागत के लिए घर में जितनी भी चारपाई होती हैं उन सब की पूर्ण रूप से मरम्मत कर ली जाती है। मेहमानों के लिए आंगन में चारपाई, कुर्सी डालकर हुक्का बीड़ी और सिगरेट रख दी जाती है। गांव के प्रहलाद मंदिर पर आने वाले मेहमान को ग्रामीण आवाभगत के लिए ले जाते हैं।

भगवान नरसिंह और भक्त प्रहलाद की मूर्ति निकली

मान्यता की बात करें तो बताया जाता है कि गांव के निकट एक साधु तप किया करते थे। उन्हें पेड़ के नीचे मूर्ति दबे होने का सपना आया था, तो गांव के कौशिक परिवारों से पेड़ के नीचे खुदाई कराई गई, जिसमें भगवान नरसिंह और भक्त पहलाद की मूर्ति निकली। इसके बाद तपस्वी साधु ने आशीर्वाद दिया कि इस परिवार का जो भी व्यक्ति शुद्ध मन से पूजा करके धधकती होलिका से गुजरेगा उसके शरीर में भक्त प्रहलाद विराजमान होंगे।

इस बार यह परंपरा गांव के मोनू पंडा निभा रहे

आपको बता दें इससे पहले पालन गांव को प्रहलाद नगरी भी कहा जाता था और यहां प्रहलाद का एक मंदिर भी स्थित है। वहीं इस गांव में पंडा समाज के करीब 50 से 60 परिवार रहते हैं और करीब 20 परिवार के लोग जलती हुई होलिका में से निकलने की परंपरा को निभाते हुए चले आ रहे हैं। इस परंपरा के लिए हर साल एक पंडा का चयन किया जाता है। होलिका दहन से करीब एक महीने पहले ही वह पंडा मंदिर में कठिन तप करता है, जिसके बाद वह होली के दिन धधकती हुई आंख के ऊपर से गुजरता है। इस बार यह परंपरा गांव के मोनू पंडा निभा रहे हैं।

पंडा को ये करना होगा पालन

- पूर्णिमा के दिन घर परिवार को त्याग देगा।
- पूरे महीने ब्रह्मचर्य का पालन करना होगा।
- मंदिर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री का सेवन करेगा।
- जमीन पर ही सोना होगा, प्रह्लाद कुंड में स्नान के बाद ध्यान लगाएगा।
- तप के दौरान गांव की सीमा से बाहर नहीं जा सकेगा।
- किसी भी महिला या पुरुष श्रद्धालु को अपने पैर नहीं छूने देगा।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड नाराज होकर बोली तुम्हें क्या पता, मेरी हर एक सांस पर हर कोई मरता है।
बॉयफ्रेंड: कोई अच्छा सा टूथपेस्ट ले ले पगली।

टीटू: अगर नारियल के पेड़ पर चढ़ जाऊ तो इंजीनियरिंग कॉलेज की लड़कियां दिख जाएंगी?
शीटू: जरूर! और हाथ छोड़ दोगे तो मेडिकल कॉलेज की लड़कियां भी दिख जाएंगी।

गटरू लड़की के घर रिश्ता लेकर गया। लड़की के मां-बाप बोले- हमारी बेटी तो अभी पढ़ाई कर रही है। गटरू: कोई बात नहीं जी, हम एक घंटे बाद आ जाएंगे।

शुक्र है डाक्टर ये नही कहते भाई छुड्डा नहीं है, कुछ दवाईयां और लिख दूं, या एक आपरेशन और कर दूं।

बहू अपनी सास के पास जाती है और कहती है-
बहू: मां जी कल रात मेरा उनसे झगड़ा हो गया
सास: कोई बात नहीं, ये तो हर पति-पत्नी में होता रहता है। बहू: वो तो मुझे भी पता है, पर ये बताइये अब लाश का क्या करना है।

शौंटी: समोसे को खोलकर अंदर का मसाला ही खा रहा था। संजू: अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा? शौंटी: अरे मैं बीमार हूं न। इसलिए डॉक्टर ने बाहर की चीज खाने से मना किया है।

कहानी — हंसेल और ग्रेटेल

एक बार एक भाई-बहन होते हैं, लड़के का नाम होता है हंसेल और लड़की का नाम होता है ग्रेटेल। एक दिन उनकी मां का देहांत हो जाता है और दोनों अपने पिता के साथ रहते थे। यद्यपि वे बहुत गरीब थे पर खुशी से एक साथ रहते थे। पर एक दिन उनके पिता ने दूसरी शादी कर ली और उनकी नई बीवी बहुत ज्यादा बुरी व बेदिल थी। एक बार उसने अपने पति से कहा कि उसे अपने दोनों बच्चों को जंगल में छोड़ देना चाहिए। क्योंकि हमारे पास इतने पैसे नहीं हैं कि हम उन्हें खाना भी खिला सकें। पहले तो उसके पति ने मना किया पर फिर अंत में मान गया। अगली रात को पिता हंसेल और ग्रेटेल को जंगल में ले गया। हालांकि हंसेल ने उनकी योजना सुन ली थी और वह जानता था कि उसके पिता दोनों को जंगल में छोड़ने आए हैं। इसलिए उसने चलते-चलते जंगल के रास्ते में कुछ सफेद रंग के पत्थर फेंक दिए। दोनों बच्चों के पिता उन्हें जंगल में छोड़कर घर वापस आ गए। अब क्या था हंसेल और ग्रेटेल ने रास्ते पर पड़े सफेद पत्थरों की मदद से अपने घर को खोज लिया था। अगले दिन उनकी बुरी मां ने उन बच्चों के साथ फिर से वही किया पर इस बार हंसेल ने कोई भी पत्थर नहीं लिए थे। चूंकि इस बार रास्ते में कोई सफेद पत्थर नहीं फेंके थे इसलिए उन्हें वापस घर जाने का रास्ता नहीं मिला और हंसेल व ग्रेटेल सच में जंगल में खो गए थे। दोनों भाई-बहन अकेले चलते-चलते थक चुके थे और उन्हें भूख भी लगी थी। कुछ देर बाद अचानक से उन दोनों को जंगल में एक सुंदर सा जिंजरब्रेड का घर दिखाई दिया। भाई-बहन दोनों बहुत भूखे थे और ब्रेड देख कर वे खुशी से उसे खाने लगे। इतने में एक बूढ़ी औरत आई और उसने कहा कि वह उन दोनों बच्चों का खयाल रखेगी। अब हंसेल और ग्रेटेल खुशी-खुशी उस औरत के पास रहने लगे पर वे नहीं जानते थे कि वह बूढ़ी औरत चुड़ैल थी। उसने हंसेल को कैद कर लिया और उसे मोटा बना दिया ताकि वह उस बच्चे को खा सके। उस शैतानी चुड़ैल ने ग्रेटेल से घर के सभी काम करने को कहा। एक दिन उस चुड़ैल ने सोचा कि वह आज हंसेल को खा जाएगी और उसने ग्रेटेल को आग जलाने के लिए कहा। अब समय नहीं था, ग्रेटेल को अपने भाई की जान बचाने के लिए जल्द ही कुछ सोचना था और अचानक उसके दिमाग में एक आइडिया आया। ग्रेटेल ने आग जलाई और उसने चुड़ैल से आग की लौ चेक करने के लिए कहा। जब वह शैतानी चुड़ैल आग की लौ चेक कर रही थी तो ग्रेटेल ने उसे आग में ही धक्का दे दिया और अपने हंसेल को बचा लिया। इस तरह से ग्रेटेल ने अपने भाई की जान बचाई और दोनों भाई बहन वहां से चले गए।

5 अंतर खोजें

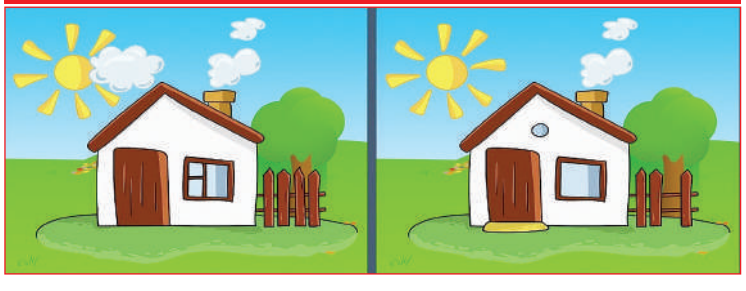

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज सिंगल लोगों की शादी तय हो सकती है. आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। प्रेमी पर किसी तरह का दवाब ना डालें। प्रेमी से अपनी बात मनवाने की कोशिश ना करें।

वृषभ

पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। खुद पर सयंम बरतें। आज आप सोच-समझकर बोलें। पार्टनर के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में महिला मित्रों से सहयोग मिलेगा।

मिथुन

आज के दिन किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे है तो आज के दिन आपके लिए अनुकूल होगा। पार्टनर के साथ मन मुटाव हो सकता है। गिफ्ट देकर पार्टनर से सुलह करें। पार्टनर को बाहर घूमाने ले जाएं।

कर्क

आज आपकी लव लाइफ अच्छी रहेगी। पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। आज के दिन पार्टनर की कमी महसूस करेंगे। मानसिक तनाव हो सकता है। संतानपक्ष से सुख मिलगा। प्रेमी से कुछ दिनों के लिए दूर जाएंगे।

सिंह

पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। किसी से आपकी मुलाकात हो सकती है और वह आपका जीवनसाथी बन सकता है। आज के दिन आपके लिए अच्छा होगा। पति-पत्नी बाहर घूमने जा सकते हैं।

कन्या

पति-पत्नी के बीच विवाद हो सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। पार्टनर के साथ हुए झगड़े से आज बोझिल महसूस करेंगे। संबंधों के सुधारने का प्रयास करें, सफलता मिल सकती है।

तुला

आज आपको पार्टनर से खुशखबरी मिल सकती है। शादी का प्रपोजल मिल सकता है। पार्टनर को समय नहीं देने से वह नाराज हो सकता है। पार्टनर से उपहार मिल सकता है। लव लाइफ में तालमेल बना रहेगा।

वृश्चिक

पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। आज पार्टनर से मुलाकात होगी लेकिन बाहर घूमने का प्लान नहीं बन पाएगा।अगर किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन अनुकूल है।

धनु

आज आपको जीवनसाथी मिल सकता है। लव लाइफ में किसी तरह का डर नहीं रहेगा। प्रेम संबंध शुरू करने के लिए आज का दिन ठीक होगा। पार्टनर पर भरोसा बनाए रखना बेहतर होगा।

मकर

आज के दिन रोमांस से भरपूर रहेगा। आप अपने साथी की जरूरतों का खास ध्यान रखेंगे। प्रेमी के साथ बाहर घूमने जाएंगे। इस हफ्ते शारीरिक सुख के मामलों में आप स्वार्थी भी हो सकते हैं।

कुम्भ
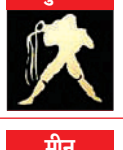
पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे। आज पार्टनर की कोई बात बुरी लग सकती है। इसलिए वाणी पर संयम रखें। पार्टनर को अपनी इच्छाओं और भावनाओं में बांधने की कोशिश न करें।

मीन

अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। पुराने दोस्तों से मुलाकात हो सकती है। धन अधिक खर्च होगा। पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल होगी।

बालीवुड | मन की बात

तीसरी शादी पर आमिर खान ने कहा न तब कोई था और न ही अब कोई है

हाल ही में अपना 57वां जन्मदिन मनाने वाले बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अक्सर सोशल मीडिया और सार्वजनिक समारोह से दूर रहते हैं। लेकिन अपने दमदार अभिनय के अलावा मिस्टर परफेक्शनिस्ट अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। बीते साल ही हुए अपने तलाक के बाद से ही आमिर सुर्खियों में रहे थे। इतना ही नहीं, अभिनेता के तलाक के बाद उनका नाम भी कुछ लोगों के साथ छोड़ा गया और तलाक की वजह को लेकर कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे थे। ऐसे में हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर खान ने सोशल मीडिया पर चल रही उनकी रिलेशनशिप की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। एक बातचीत के दौरान जब अभिनेता से पूछा गया कि क्या किसी दूसरे से रिश्ते की वजह से उनका किरण से तलाक हुआ है। इसका जवाब देते हुए आमिर खान ने कहा कि न उस समय कोई था और न ही अभी कोई है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान और उनकी दूसरी पत्नी किरण राव ने बीते साल ही अपनी 15 साल की शादी को खत्म करने का फैसला कर लिया था। इस दौरान आमिर खान ने अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से हुए तलाक को लेकर भी बात की। आमिर खान ने आगे बताया कि उनका पहला रिश्ता भी किरण की वजह से नहीं टूटा था। उन्होंने किरण की वजह से रीना से तलाक नहीं लिया। आमिर ने कहा कि जब उन्होंने रीना से तलाक लिया तब उनकी जिंदगी में कोई भी नहीं था। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि वह किरण को पहले से ही जानते थे, लेकिन वह दोनों रीना से तलाक के कुछ दिनों बाद दोस्त बने थे। गौरतलब है कि आमिर खान और किरण राव ने बीते साल जुलाई में तलाक की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि इन 15 सालों में हमने जिंदगी भर के अनुभव, खुशी और हंसी साझा की है। हमारा रिश्ता सिर्फ विश्वास सम्मान और प्यार में बड़ा है।

खत्म हुआ फिल्म ब्रह्मास्त्र का इंतजार!

आलिया के बर्थडे पर फैंस को मिला तोहफा

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म ब्रह्मास्त्र का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए खुशखबरी है। फिल्म में रणबीर के साथ पहली बार स्क्रीन पर रोमांस करती नजर आने वाली आलिया का इस फिल्म से पहला लुक रिलीज कर दिया गया है। दरअसल, आज एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी किया है । इस टीजर वीडियो के जरिए आलिया का फिल्म से पहला विजुअल लुक भी सामने आ चुका है। इस वीडियो में पानी की एक बूंद गिरती हुई दिखाई दे रही है, जो सीधे आलिया के चेहरे पर गिरती है। कभी हाथ जोड़ते हुए तो कभी मुस्कुराते हुए, उनकी कई झलकियां देखने को मिल रही हैं। वह बेहद हैरान परेशान नजर आ रही हैं। टीजर की शुरुआत में आलिया के साथ हल्की सी झलक रणबीर कपूर की भी नजर आती है। फिल्म के जरिए यह दोनों पहली बार स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। वहीं इस मेगा बजट फिल्म में इनकी लव स्टोरी का एंगल भी देखने को मिलेगा। जानकारी के लिए बता दें कि ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर शिवा तो आलिया भट्ट ईशा के किरदार में होंगे। फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है। उन्होंने ही आलिया के जन्मदिन के मौके पर फिल्म से आलिया का विजुअल लुक शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने ईशा के किरदार को भी दर्शकों से रूबरू करवाया है। वह लिखते हैं, जन्मदिन की शुभकामनाएं आपको। आपने मुझे जो गर्व और खुशी महसूस कराई है उन सभी के लिए आपके इस दिन पर सेलिब्रेट करने के लिए यहां कुछ खास है। हमारी ईशा- ब्रह्मास्त्र की शक्ति । फिल्म से आलिया का यह लुक काफी वायरल हो रहा है। वीडियो पर लोग धड़ल्ले से अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं, जिससे मालूम पड़ रहा है कि अब वह फिल्म को देखने का और इंतजार नहीं कर सकते हैं। बता दें कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के अलावा अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी फिल्म का हिस्सा हैं। यह फिल्म इस साल 9 सितंबर को रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मसाला

ब्रेकअप की खबरों के बीच साथ आए शमिता-राकेश

बिग बॉस ओटीटी के घर में बनीं एक्टर राकेश बापट एक्ट्रेस शमिता शेट्टी की जोड़ी इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है। इस समय दोनों बॉलीवुड गलियारों में अपने ब्रेकअप की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच शमिता और राकेश का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद फैंस के अलावा कई सेलेब्स काफी खुश हैं। दरअसल, ब्रेकअप की खबरों के बीच शमिता और राकेश पहली बार साथ नजर आए। दोनों ने 'Hello Hall of Fame Awards 2022' की सेरिमनी में रविवार को एक साथ एंट्री लेकर साबित कर दिया कि ब्रेकअप की खबरें अफवाहों के अलावा और कुछ भी नहीं हैं। इस दौरान दोनों एक-दूजे का हाथ थामे दिखाई दिए। दोनों को फिर से साथ देख फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रह गया है। हाल ही में बॉलीवुड के मशहूर फोटोग्राफर वायरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें शमिता और राकेश साथ और बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस दौरान शमिता और राकेश एक दूसरे की आंखों में आंखें डालकर एक-दूजे को निहारते दिखाई पड़ रहे हैं। दोनों का वीडियो वायरल है।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

अजब-गजब | यहां मनाई जाती है अनोखी होली

होली पर दामाद को गधे पर बैठाकर कराते हैं गांव की सैर, वजह है अजीबो-गरीब

हमारे देश में होली का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान लोग एक दूसरे को रंग-गुलाल तो लगाते ही है साथ ही मस्ती मजाक का दौर भी चलता है। इसीलिए मस्ती करने के दौरान लोग कहते हैं बुरा न मानो होली है। लेकिन आज हम आपको होली के दौरान एक अनोखी परंपरा को निभाने वाले एक गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे जानकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। ये परंपरा होली के मौके पर दामाद को लेकर जुड़ी हुई है। यानी होली के दौरान इस गांव के लोग अपने दामाद को गधे पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाते हैं। ये परंपरा महाराष्ट्र के बीड जिले के एक गांव में निभाई जाती है। इस दौरान दामाद को रंग गुलाल से सराबोर कर दिया जाता है और उसके बाद उसे गधे पर बैठाकर पूरे गांव की सवारी कराई जाती है।

कैसे शुरू हुई ये परंपरा

दरअसल इस अनोखी परंपरा के पीछे भी एक कहानी छिपी हुई है। जैसे कि आप जानते ही हैं कि होली के दौरान कई लोग बड़े आराम से रंग गुलाल लगवा लेते हैं लेकिन बहुत से लोग इस दौरान लड़ाई झगड़े पर

उतारू हो जाते हैं। बीड जिले में भी करीब 80 साल पहले कुछ ऐसा ही हुआ था। बताया जाता है कि यहां के विडा येवता गांव के देशमुख परिवार में एक बार रंग लगवाने से मना कर दिया। फिर उनके ससुर अनंतराव देशमुख ने दामाद के लिए फूलों से सजा एक गधा मंगवाया और रंग लगाकर पूरे गांव की सैर कराई। हालांकि गधे की सैर कराने के अलावा दामाद की खूब आवाभगत होती है।

दामादों की खूब की जाती है सेवा

होली के मौके पर जिस दामाद को गधे पर बैठाकर घुमाया जाता है उसकी खूब सेवा की जाती है। उसे मिठाईयां और तरह तरह के पकवान खिलाए जाते हैं, यही नहीं मनपसंद कपड़े भी दिलवाए गए। उसके बाद चलन ऐसा शुरू हुआ कि आठ दशक बाद भी ये परंपरा यहां निभाई जाती है। अगर उस वक्त गांव में कोई दामाद मौजूद न हो तो किसी को उसकी उपाधि दी जाती है ताकि परंपरा में किसी तरह की रुकावट न हो। इसके लिए होली से पहले ही दामादों की तलाश शुरू कर दी जाती है। लेकिन कई बार लोग इस वजह से गांव से बाहर होली मनाने कहीं चले भी जाते हैं।

दामादों की की जाती है रखवाली

इसके लिए दामादों को पहरे में भी रखा जाता है ताकि होली के दिन वह रफूचक्कर न हो जाएं। इसके अलावा गधे पर बैठाकर घुमाने को किसी तरह की बेइज्जती नहीं समझा जाता बल्कि इसे परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। कई बार तो उसे सोने की अंगूठी या कोई कीमती तोहफा तक गिफ्ट किया जाता है। इसके अलावा उसे मंदिर ले जाकर पूजा और आरती भी उतारी जाती है। साथ ही गधे को भी सजाकर और माला पहनाकर तैयार किया जाता है।

इस मंदिर में रात के अंधेरे में दिखाई देती है रोशनी और सुनाई देती है पायल की आवाज

हमारे देश में असंख्य मंदिर है जिनमें से तमाम मंदिर रहस्यमयी है। जिनके रहस्यों के बारे में आजतक कोई नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। ये मंदिर बिहार के सीतामढ़ी जिले में स्थित है। इस मंदिर से कई रहस्य जुड़े हुए हैं जिनकी सच्चाई क्या है ये आज हम आपको बताने जा रहे हैं। दरअसल, बिहार के सीतामढ़ी में स्थित यह मंदिर रानी मंदिर (स्वर्ण मंदिर) के नाम से जाना जाता है जो एक ऐतिहासिक मंदिर है। इस मंदिर से कई किस्से और कहानियां जुड़ी हुई हैं जिनके बारे में जानने की इच्छा हर किसी की होती है। आखिर इस मंदिर के रहस्यों के पीछे का क्या राज है। इस मंदिर की बनावट भी बेहद खूबसूरत है। इसके खंभों पर शानदार नक्काशी की गई है जो इसकी सुंदरता को और बढ़ाती हैं। कहा जाता है कि इस खूबसूरत मंदिर का निर्माण करने वाले कारीगरों के हाथों को कटवा दिया गया था, लेकिन इसके कोई सबूत नहीं हैं। इस मंदिर के कई रहस्य हैं जिनमें ईंट के अंदर मौजूद गुफा भी शामिल है। रात के अंधेरे में रोशनी दिखाई देती है और पायल की झंकार की आवाज आज भी आती है। बताया जाता है कि यह आवाज 2 किलोमीटर तक सुनाई देती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि यह पायल की आवाज रानी राजवंशी कुंवर की है। बता दें कि ये मंदिर करीब डेढ़ एक? जमीन में फैला हुआ है। इस मंदिर की बनावट आगरा के ताजमहल से मिलती जुलती है। कहा जाता है कि रानी राजवंशी कुंवर ने मंदिर को बनाने वाले चार कारीगरों के हाथ को कटवा दिया था। उन्होंने ऐसा इसलिए किया कि इस मंदिर की तरह कोई और मंदिर ना बन सके। साथ ही मजदूरों के परिवारों की देखभाल पूरी उम्र रानी ने की। मंदिर के पीछे दीवार पर इसका निर्माण करने वाले मजदूरों की प्रतिमाएं बनाई गई हैं जो इस बात के सबूत हैं। बताया जाता है इस मंदिर के सोने के मुकुट और सोने के आभूषण चोरी हो गए हैं। यह भी कहा जाता इनको दंबगों ने उस पर कब्जा कर लिया है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर के तहखाने में अकूत खाजाना है, लेकिन इसके भीतर जाकर वापस आना मुश्किल है। इसमें जहीरले सांप रहते हैं। जो लोगों को शिकार बना लेते हैं। नेपाल से छपने वाली एक पुस्तक में यह दावा किया गया है। इस मंदिर से जुड़े रहस्यों से आज तक पर्दा नहीं उठा है।

अमेठी : जमीनी विवाद में पूर्व प्रधान समेत चार की हत्या, कोतवाली प्रभारी निलंबित

» आरोपी फरार, आईजी ने किया राजपुर गांव में कैंप

» सात नामजद समेत कई पर मुकदमा, आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। जमीनी विवाद को लेकर पूर्व प्रधान, उनके माता-पिता और भाई समेत चार लोगों की लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस दौरान छह लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो की हालत गंभीर है। वहीं इस मामले में कोतवाली प्रभारी व बीट सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। सात नामजद समेत कई लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आईजी अयोध्या रेंज कवींद्र प्रताप सिंह गांव में कैंप किए है। एसपी दिनेश सिंह को छुट्टी से वापस बुला लिया गया है।

घटना अमेठी के राजापुर गांव के मजरे गुंगवाच में मंगलवार देर रात की है। यहां आबादी की जमीन को लेकर राम दुलारे और संकठा प्रसाद यादव के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। संकटा प्रसाद के बेटे हनुमान विवादित भूमि पर मौरंग गिरवा रहे थे, तभी रामदुलारे के पक्ष के लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। मारपीट के दौरान गंभीर चोट लगने से संकठा प्रसाद, उनकी पत्नी पार्वती उर्फ ननका, उनके बेटे पूर्व प्रधान अमरेश यादव और हनुमान की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा अमरेश की पत्नी धन्नोदेवी, अमरेश का बेटा राजकुमार यादव, संकठा का बेटा अशोक समेत सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाद में राजकुमार और धन्नो को लखनऊ रेफर कर दिया गया। इस चार हत्याओं के बाद दूसरा पक्ष गांव से फरार हो गया।

डीएम राकेश मिश्र ने बताया कि पुलिस ने दोनों पक्षों में समझौता कराया था, लेकिन वे सुलहनामे पर कायम नहीं रहे। आरोपी पक्ष दीवार का निर्माण करा रहा था, जिसको लेकर दूसरे पक्ष को आपत्ति थी। वह पक्ष भी निर्माण के लिए सामग्री गिरा रहा था। इसी बीच आरोपियों ने पीड़ित पक्ष पर हमला बोल दिया। वहीं आइजी ने बताया कि जिम्मेदार पुलिस अधिकरियों पर कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली प्रभारी सहित एक सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास हो रहे हैं।

होली पर पुलिस अफसरों व कर्मचारियों की छुट्टी रद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। होली की सुरक्षा-व्यवस्था के दृष्टिगत सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टी रद कर दी गई हैं। डीजीपी मुकुल गोयल के निर्देश पर होली में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 16 मार्च से 20 मार्च तक सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के सभी प्रकार के अवकाश रद करने का आदेश जारी कर दिया गया है। विशेष परिस्थितियों में अवकाश जिला, रेंज व जोन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बाद ही स्वीकृत होगा। डीजीपी मुख्यालय में तैनात अधिकारियों व कर्मियों को विशेष परिस्थितियों में अवकाश अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय के द्वारा प्रदान किया जाएगा।

इस बार होली के साथ शब-ए-बारात की भी सुरक्षा-व्यवस्था की दोहरी चुनौती है। होली पर सभी जिलों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती रहेगी। वहीं उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि होली के पर्व पर प्रदेशभर में कहीं भी बिजली की आपूर्ति ठप न होने पाए। सभी क्षेत्रों को तय शेड्यूल के अनुसार निर्बाध आपूर्ति की जाए।

पूर्वांचल में एमएलसी चुनावों का बजा बिगुल, बनने लगी रणनीति

» यहां की पांच विधान परिषद सीटों के लिए शुरू हो गयी है चुनाव प्रक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। पूर्वांचल की पांच विधान परिषद (एमएलसी) की सीटों के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विधान परिषद की प्रदेश भर में 36 सीटों के लिए नामांकन शुरू हो गया है। 30 सीटों के लिए 19 मार्च तक, छह सीटों के लिए 22 मार्च तक नामांकन पर्चे भरे जाएंगे। नौ अप्रैल को मतदान होगा और 12 अप्रैल को मतगणना होगी। भाजपा और सपा दोनों ही अधिक से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशी जिताने की कोशिश में जुट गए हैं। इसके लिए पार्टी स्तर पर रणनीति बननी शुरू हो चुकी है। जल्द ही दावेदारों के नाम सामने आएंगे।

पूर्वांचल में पांच विधान परिषद की सीटें हैं। जिसमें वाराणसी-चंदौली-भदोही एमएलसी सीट (वर्तमान में बृजेश सिंह), मीरजापुर और सोनभद्र विधान परिषद सीट (वर्तमान में विजय मिश्रा की पत्नी रामलली), गाजीपुर विधान परिषद सीट (विशाल सिंह चंचल) सहित आजमगढ़-मऊ, जौनपुर और देवरिया व बलिया आदि सीटों के लिए 22 मार्च तक नामांकन होना है। इसमें पूर्वांचल से देवरिया और बलिया सीट साझे की है। इस प्रकार कुल पांच सीटों के लिए अब विधान परिषद के लिए सियासी जंग का दौर शुरू होने जा रहा है। पूर्वांचल में इन प्रमुख सीटों के लिए चुनाव प्रचार के पूर्व प्रत्याशियों की घोषणा का इंतजार है। प्रमुख दलों की ओर से इस बाबत स्थिति स्पष्ट न होने की वजह से अभी एमएलसी चुनाव को लेकर भी काफी मंथन का दौर जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि होली के पूर्व ही सभी उम्मीदवारों के चेहरे सामने आ जाएंगे और उनकी उम्मीदवारी को लेकर सियासी गतिविधि का दौर भी शुरू हो जाएगा। माना जा रहा है कि यूपी में जीत के बाद भाजपा जहां दमदारी से एमएलसी चुनाव में सामने आएगी वहीं सपा की ओर से भी विधानसभा में हार की खामी दूर की जाएगी।

फिर बढ़े कोरोना के मामले, चौबीस घंटे में 2876 संक्रमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में एक बार फिर इजाफा देखने को मिला है। पांच दिन बाद कोरोना के नए मामलों में बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना के ताजा आंकड़े जारी किए हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,876 नए मामले सामने आए हैं। इसके अलावा इस दौरान 98 लोगों की मौत भी हुई है।

देश में कोरोना के कुल मामले बढ़कर 4,29,98,938 हो गए हैं। वहीं, एक्टिव केस घटकर 32,811 हो गए हैं। कुल मामलों का ये 0.08 फीसदी है। बीते 24 घंटे में 3,884 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। रिकवरी रेट 98.72 हो गया है। 98 लोगों की मौत के साथ ही मृतकों की संख्या अब बढ़कर 5,16,072 हो गई है। देश में कोविड टीके की 180.50 करोड़ से ज्यादा खुराक लगाई जा चुकी है। लगभग 97 करोड़ लोगों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। 81 करोड़ से ज्यादा दूसरी डोज लगाई गई है। साथ ही अब तक 2 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज दी जा चुकी है।

निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह दोषी करार

» फर्जी पते पर लिया था रिवॉल्वर का लाइसेंस

» राजा भैया के हैं करीबी, 22 को होगा सजा पर फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के कुंडा से विधायक राजा भैया के करीबी पूर्व सांसद और निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह को बड़ा झटका लगा है। फर्जी पते पर रिवॉल्वर लाइसेंस लेने के आरोप में एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह ऊर्फ गोपाल भैया दोषी साबित हुए हैं। एमपी/एमएलए कोर्ट ने एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह को दोषी करार दिया है और कोर्ट 22 मार्च को सजा सुनाएगी।

निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह पर फर्जी एड्रेस पर रिवाल्वर लाइसेंस लेने का आरोप था। उन्होंने प्रतापगढ़ का पता दिखा कर रिवॉल्वर का लाइसेंस बनवाया था। तत्कालीन कोतवाल ने 1997 में नगर कोतवाली में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल अमेठी के जामो के रहने वाले हैं। अक्षय प्रताप कुंडा विधायक राजा भैया के करीबी व रिश्तेदार हैं। वह प्रतापगढ़ में तीन बार से एमएलसी और एक बार सांसद रह चुके हैं। यह मुकदमा विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए (सिविल जज, सीनियर डिवीजन) एफडीसी द्वितीय की कोर्ट में चल रहा था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अक्षय प्रताप सिंह पेश नहीं हुए। बता दें कि जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह ऊर्फ राजा भैया ने अक्षय प्रताप सिंह ऊर्फ गोपालजी को एमएलसी उम्मीदवार घोषित किया है। पिछली बार गोपालजी सपा के टिकट पर निर्विरोध एमएलसी निर्वाचित हुए थे। कोर्ट द्वारा सजा होने पर एमएलसी चुनाव लड़ने पर ग्रहण लग सकता है।

गोमती नदी में यात्रियों से भरी नाव डूबी, एक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बाराबंकी से अयोध्या जा रहे थे लोग दो लापता

अयोध्या। बाराबंकी की सीमा पर स्थित रुदौली विधान सभा क्षेत्र के गोमती नदी के विग्निया घाट पर बड़ा हादसा हो गया। यहां यात्रियों से भरी नाव पलट जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। 11 लोगों ने तैर कर अपनी जान बचायी जबकि दो लापता बताए जा रहे हैं जिनकी खोज में गोताखोरों को लगाया गया है।

मंगलवार शाम बाराबंकी जनपद सुबेहा थाने के विग्निया घाट की ओर से एक नाव पर 14 लोग सवार होकर अयोध्या जा रहे थे। नाव जैसे ही बीच धारा में पहुंची उसमें पानी भर गया। नाव डूबते देख वहां पर हड़कंप मच गया। आसपास के लोग बचाव कार्य में जुट गए। सूचना पर अयोध्या व बाराबंकी जनपद की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से राहत कार्य शुरू किया। 11 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचा ली। एक बुजुर्ग का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान सूर्य प्रकाश (65) निवासी सुरती का पुरवा थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है। शेष दो लोग नदी में लापता हो गए।

हार के बाद भी केशव को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में भाजपा ने भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है लेकिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में चर्चा है कि केशव का भविष्य क्या होगा? 2024 में पिछड़ों को साधने के लिए केशव मौर्य की भूमिका क्या रहेगी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, उमाशंकर दुबे, प्रो. लक्ष्मण यादव, सतीश के सिंह, राजेंद्र द्विवेदी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

» अब लोक सभा चुनाव पर है भाजपा का फोकस, 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

अशोक वानखेड़े ने कहा, भाजपा का फोकस 2024 का लोक सभा चुनाव है। जिस दिन मंत्रिमंडल सामने आ जाएगा, विभागों के बंटवारे होंगे, उस दिन पता चल जाएगा कि दिल्ली से सरकार चल रही है या लखनऊ से। भाजपा ने 2024 की तैयारी भी शुरू कर दी है। उमाशंकर दुबे ने कहा 2022 का योगी सरकार का जो मंत्रिमंडल होगा, वह 2024 के हिसाब से होगा। केशव मौर्य को भाजपा इग्नोर नहीं कर सकती। संभावना है कि इनको संगठन में लाया जाएगा। हो सकता है योगी मंत्रिमंडल में केशव को स्थान न मिले।

सतीश के सिंह ने कहा पहली बात तो मुझे नहीं लगता कि केशव को कोई बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी जानी है। अगर कोई देना भी चाहे तो शायद योगी न माने। दूसरे केशव मौर्य और केंद्र में जो नितिन गडकरी है, दोनों में समानता हैं। 2019 चुनाव के पहले गडकरी के बारे में खबरें थी, ठीक उसी तरह की खबर केशव के बारे में हैं। तीसरी बात अमित शाह 2013 से अभी तक यूपी के आर्किटेक्ट हैं। शाह का पर्यवेक्षक बनना केशव मौर्य की दृष्टि से देखना ज्यादा होगा। राजेंद्र द्विवेदी ने कहा, अब तैयारी 2024 की है। केशव , दिनेश शर्मा को भाजपा अपने समीकरण के हिसाब से फिट करेगी। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा, केशव ने 2017 में जीत दिलाई। अब जब वो चुनाव हार गए तो समीकरण बदले नजर आ रहे है। भाजपा शातिर पार्टी है, ऐसे में उनको बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

12 से 14 साल के बच्चों का टीकाकरण शुरू

फोटोः सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से भारत की जंग जारी है। वायरस से लड़ाई में कोविड-19 टीकाकरण शुरू से एक बड़ा हथियार बना हुआ है। इस बीच देश में टीकाकरण अभियान के तहत 12-14 साल के बच्चों के लिए कोरोना वैक्सीन की पहली डोज की शुरुआत आज से हो गई है। लखनऊ के सिविल अस्पताल में आज भारी संख्या में परिजन अपने बच्चों को लेकर टीका लगवाने पहुंचे। टीकाकरण के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वैक्सीनेशन का निरीक्षण किया, साथ ही बच्चों से कुशलक्षेम भी पूछी।

अखिलेश 21 मार्च को करेंगे हार के कारणों की समीक्षा

» भाजपा के आईटी सेल से सतर्क रहें कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में 111 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रहने वाली समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अब अपने कार्यकर्ताओं से सीधे जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं व नेताओं को कोई भी सुझाव सीधे पर्सनल ईमेल आईडी पर भेजने के लिए कहा है। सपा अध्यक्ष ने अपने कार्यकर्ताओं को भाजपा के आईटी सेल से सतर्क रहने के लिए कहा है। साथ ही किसी भी किस्म के सुझाव के लिए सीधे संपर्क करने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव परिणाम संबंधी यदि कोई सुझाव हो तो उसे ईमेल पर जरूर भेजें।

भाजपा के आईटी सेल की अफवाह में न फंसे। सतर्क और सकारात्मक रहें, भाषा भी संयमित रखें। वहीं 21 मार्च को सपा ने अपने नवनिर्वाचित विधायकों की पहली बैठक बुलाई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में पार्टी हार के कारणों की समीक्षा के अलावा आगे की रणनीति तय करेगी। सपा इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष का नाम तय कर सकती है। इसके अलावा अखिलेश यादव के करहल सीट छोड़ने पर यहां से किसे उप चुनाव लड़ाया जाए इस पर भी विचार कर सकती है। अखिलेश यादव ने इससे पहले ट्वीट कर पोस्टल बैलट से मिली जीत का मुद्दा उठाया था। अखिलेश ने ट्वीट कर कहा था कि पोस्टल बैलेट में सपा-गठबंधन को मिले 51.5 प्रतिशत वोट व उनके हिसाब से 304 सीटों पर हुई सपा-गठबंधन की जीत चुनाव का सच बयान कर रही है। पोस्टल बैलेट डालनेवाले हर उस सच्चे सरकारीकर्मी, शिक्षक और मतदाता का धन्यवाद जिसने पूरी ईमानदारी से हमें वोट दिया। सत्ताधारी याद रखें, छल से बल नहीं मिलता। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने सपा की ढाई गुणा सीटें बढ़ाकर अपना रुझान जता दिया है और भाजपा की सीटों का घटाव भविष्य का संकेत है। सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के संरक्षण में आपराधिक तत्व फिर सक्रिय हो उठे हैं। मुख्यमंत्री के गृह जनपद में कानून व्यवस्था बिगड़ने लगी है। न कानून का डर है न पुलिस का खौफ।

गांधी परिवार को छोड़ देनी चाहिए नेतृत्व की भूमिका: कपिल सिब्बल

» बोले- किसी अन्य को मिलना चाहिए पार्टी की कमान का मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति की रविवार को हुई बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने मांग की कि गांधी परिवार को नेतृत्व की भूमिका से हट जाना चाहिए और किसी अन्य को पार्टी का नेतृत्व करने का मौका देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि 2014 की चुनावी हार के बाद से कांग्रेस कुछ मौकों को छोड़कर लगातार चुनाव हार गई है।

उन्होंने कहा सीडब्ल्यूसी ने पार्टी नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है, लेकिन सीडब्ल्यूसी के बाहर के लोगों को कुछ और ही लगता है क्योंकि कई लोग पार्टी छोड़ चुके हैं। सिब्बल ने कहा मैं सबकी कांग्रेस चाहता हूं। कुछ लोग घर की कांग्रेस चाहते हैं। मालूम हो कि पार्टी के भीतर सुधार लाने के लिए सोनिया गांधी को लिखे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सिब्बल भी एक हैं, लेकिन इसी समूह के गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा ने सीडब्ल्यूसी की बैठक में नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा नहीं उठाया था।

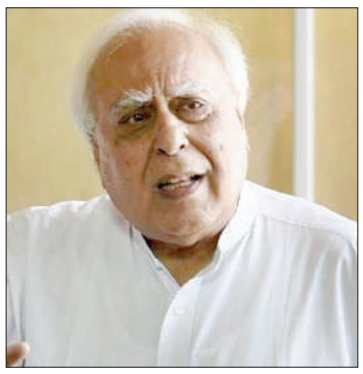

बैठक में सोनिया ने राहुल और प्रियंका के साथ नेतृत्व से हटने की पेशकश की थी, लेकिन सीडब्ल्यूसी ने इसे ठुकरा दिया था। गांधी परिवार के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कांग्रेस के कई नेताओं ने मंगलवार को सिब्बल पर निशाना साधा। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने ट्वीट किया आरएसएस और भाजपा क्यों चाहते हैं कि नेहरू-गांधी नेतृत्व से अलग हों? क्योंकि गांधी परिवार के नेतृत्व के बिना कांग्रेस, जनता पार्टी बन जाएगी। इस तरह कांग्रेस को खत्म करना आसान होगा और फिर आइडिया आफ इंडिया (भारत के विचार) को खत्म करना आसान होगा।

कर्मचारी नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ें और पेंशन के हकदार बन जाएं: जयराम

» बजट सत्र के अंतिम दिन सदन में दिखे तल्ख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन सदन में तल्ख दिखे। उन्होंने कर्मचारियों को लेकर अजीबोगरीब बात कही। उन्होंने कहा कि भत्ते बढ़ाने की गलत सूचना पर कुछ लोग इस प्रकार के कमेंट लिख रहे हैं कि जब कर्मचारियों को पेंशन नहीं तो विधायकों को क्यों। इस पर सीएम ने कहा कि ऐसे कर्मचारी नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ें और पेंशन के हकदार बन जाएं।

सीएम ने कहा कि वह कई बार बड़ी सीधी बात कह देते हैं। उन्होंने विधायकों के आवास और यात्रा भत्ते बढ़ाने की बात को सदन में खारिज करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि विधायकों के संस्थान के खिलाफ इस प्रकार का व्यवहार करना गलत है। गौर हो कि बजट सत्र के दौरान प्रदेश भर में कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन योजना

बहाल करने के लिए खूब हल्ला मचाया था। प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद कांग्रेस विधायक सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्वाइंट आफ ऑर्डर के तहत विधायकों के भत्ते बढ़ाने संबंधित मामला उठाया। उन्होंने कहा कि विधायकों के भत्ते बढ़ाए जाने की बात से जनता के बीच में फजीहत हो रही है। सैर-सपाटे के लिए राशि बढ़ाने की बात से लोगों के बीच विधायकों की छवि खराब की जा रही है। जानबूझकर सनसनी फैलाई जा रही है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में कड़ा संज्ञान लेकर कार्रवाई करने और मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की।

भाजपा को सिर्फ 99 सीटों पर मिली जीत: स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विपक्ष के नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाना जारी है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने आज भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बैलेट पेपर से जो वोट मिले उसके अनुसार सपा को 309 सीटों पर जीत मिली है जबकि भाजपा को सिर्फ 99 सीटें मिलीं।

उन्होंने कहा कि बात भाजपा या सपा की जीत की नहीं है। बात है लोकतंत्र की। भाजपा को जीत कैसे मिली ये बड़ा सवाल है। कुशीनगर जिले के फाजिलनगर विधानसभा सीट से हारने वाले सपा प्रत्याशी स्वामी प्रसाद मौर्य ने इससे पहले ट्वीट कर ईवीएम और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि बैलेट पेपर की वोटिंग में समाजवादी पार्टी 304 सीटों पर जीती है, जबकि भाजपा मात्र 99 पर। किंतु ईवीएम की गिनती में भाजपा चुनाव जीती, इसका मतलब है कोई न कोई बड़ा खेल हुआ है।

फोटोः 4पीएम

आग से सब कुछ राख

राजधानी लखनऊ स्थित पुरनिया के कबाड़मंडी में आज तड़के तीन बजे के आसपास दुकानों में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से दुकानें जलकर खाक हो गई। आग लगने का कारण शार्ट-सर्किट बताया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।